नकली हेलमेट चालान से तो बचा लेगा, हादसों से नहीं

iCONCERN

घटिया जैसे दिखने वाले नकली हेलमेट असली से उजागर

फर्जी ISI मार्क लगाकर कारनामे को दिया जा रहा अंजाम

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (30 July): बाइक पर हेलमेट सिर्फ चालान से बचने का साधन नहीं, बल्कि दिमाग़ बचाने वाली सबसे अहम सुरक्षा है. इसके बावजूद प्रयागराज के बाजारों में कम कीमत के नाम पर बड़ी संख्या में डुप्लीकेट हेलमेट बिक रहे हैं. खासकर में स्टार, मोटोवर्ल्ड, और वीरु जैसे नकली ब्रांडों की सुस्त पैकिंग वाले नकली हेलमेट 400 में 600 में असलियों के नाम से हैं. कई हेलमेट पर फर्जी ISI मार्क की लगा है, जिससे ग्राहक असली और नकली को पहचान नहीं कर पाते. विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे हेलमेट सामान्य टक्कर में भी टूट सकते हैं और सिर को पर्याप्त सुरक्षा नहीं दे पाते. ऐसे में सस्ती खरीदारी कभी-कभी भारी पड़ सकती है.

शहर में बढ़ा डुप्लीकेट हेलमेट का कारोबार

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT



असली जैसा लुक लेकिन सुरक्षा पूरी तरह नकली

- शहर के मेडिकल दीवाल, सिविल लाइंस मार्ग, कर्नलगंज, चौकीलालगंज क्षेत्रों के नामी दुकान के अलावा कई ब्रांडों में स्टार, मोटोवर्ल्ड, वीरु और सारथीन जैसे नकली ब्रांडों की डुप्लीकेट और नकली हेलमेट 400 में 600 में आसानी से मिल रहे हैं. इनमें कई हेलमेट पर फर्जी ISI मार्क भी लगाया गया है, जिससे ग्राहक इनकी और नकली की पहचान नहीं कर पाते.
- बाजारों में बिक रहे डुप्लीकेट हेलमेट इसी मार्च में बिकने वाले असली हेलमेट से मिलते-जुलते होते हैं. उनकी पैकिंग, लेबल, ग्रेन और डिजाइन इतने मिलते-जुलते होते हैं कि आम ग्राहक असली-नकली में फर्क ही नहीं कर पाते. कई दुकानदार इन्हें खुलेआम बेचते हैं. कुछ हेलमेट पर तो फर्जी ISI मार्क तक लगा हुआ है, जिससे ग्राहक का भरोसा और बढ़ जाता है.
- जबकि असली हेलमेट में इनरलायर होने वाला EPS/फोम और बाउंड लेदर जैसा मजबूत सिस्टम नकली हेलमेट में नहीं होता. नकली हेलमेट के अंदर लगी पुलमिन भी बेहद कमजोर होती है. विशेषज्ञों के अनुसार हेलमेट खरीदते समय केवल ब्रांड का नाम नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता, BIS प्रमाणन, वजन, फिट और निर्माण गुणवत्ता भी जांचनी चाहिए.

सस्ता हेलमेट से महंगा पड़ सकता है सदमा

- सुरक्षा में खेल करिए पर असली दिखने वाले नकली और डुप्लीकेट हेलमेट खरीदने का खतरा बेहतरी से बढ़ता है. कई लोग सिर्फ पुलिस चालान से बचने के लिए हेलमेट खरीदते हैं और इसकी सुरक्षा क्षमता पर ध्यान नहीं देते.
- 400-600 में मिलने वाले डुप्लीकेट हेलमेट देखने में असली जैसा लगते हैं, लेकिन दुर्घटना के समय सुरक्षा देने में असफल हो जाते हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि हेलमेट का असली महत्व पहनने में नहीं, बल्कि हादसे के समय सिर को सुरक्षित रखने में है.
- यदि इसकी गुणवत्ता खराब है तो दुर्घटना में सिर की गंभीर चोट, ब्रेन इंजरी और यहां तक कि जानलेवा साबित हो सकता है. इसलिए हेलमेट खरीदते समय केवल कीमत नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता, प्रमाण और फिटिंग को प्राथमिकता देनी चाहिए. थोड़ी सी सावधानी कई नकली हेलमेट खिलाफ बड़ी ढाल बन सकती है.



हेलमेट खरीदते समय सबसे पहले करें ये जांच

- हेलमेट के अंदर प्रमाणन होने वाले उत्पादों की सूचनाएं जरूर देखें.
- इंटरनल कुशनिंग और फिटिंग अच्छी तरह लगे.
- फोम और लेदर मिलान मजबूत है या नहीं, जरूर जांचें.
- कुछ कम कीमत वाले हेलमेट खरीदने से बचें.

- स्थानीय दुकानों और ऑनलाइन में भरा, मोटोवर्ल्ड, वीरु, सारथीन.
- 1,200 से 2,000 तक हेलमेट की कीमत.
- 400 से 600 डुप्लीकेट हेलमेट सस्ते संस्करण.
- सस्ते का सबसे बड़ा खेल: सामग्री और डिजाइन.
- हेलमेट: मेडिकल दीवाल-सिविल लाइंस मार्ग, सरकारी मान्यता वाले ब्रांड काफी.

PRAYAGRAJ CALLING!

क्या आप हेलमेट खरीदते समय सिर्फ कीमत देखते हैं या इसकी सुरक्षा भी जांचते हैं?

हमें व्हाट्सएप करें 6394307264

नकली हेलमेट की पहचान कैसे करें?

1. हेलमेट का BIS/ISI प्रमाण (CM/L) नंबर जरूर जांचें और पता करें कि उसकी वैधता है.
2. बहुत सस्ते दाम वाले हेलमेट से दूर रहें.
3. अंदर लगी EPS/फोम, कुशनिंग और फिटिंग की गुणवत्ता अच्छी तरह देखें.
4. पॉलीकार्बोनेट शेल मजबूत और हल्का होना चाहिए.
5. ब्रांड का लोगो, स्टिकर और पैकेजिंग ध्यान से देखें. क्वालिटी नकली होने का संकेत हो सकती है.
6. वेंट, चश्मा और मोटरबाइक जैसे ब्रांडों की नकल ज्यादा डुप्लीकेटों में सामने आ रही है.
7. केवल ऑनलाइन वीडियो या विज्ञापनों पर भरोसा कर हेलमेट खरीदें.
8. बहुत कम वजन में जिनमें लगने वाले हेलमेट से बचें.
9. हेलमेट खरीदते समय केवल ब्रांड नहीं, बल्कि गुणवत्ता, फिटिंग और सुरक्षा मानकों को प्राथमिकता दें.
10. याद रखें, सही हेलमेट ही सही दिशा तथा दिन आपकी सुरक्षा में सबसे महत्वपूर्ण निवेश है.

> हेलमेट में सस्ता दिखावा असली जैसी दिखने वाली, लेकिन अब समझ आया कि हेलमेट चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि जान बचाने के लिए होता है. इसलिए असली हेलमेट तोल चाहिए.
> हर्षवर्धन

> नकली हेलमेट असली जैसे दिखते हैं, इसलिए खरीदते समय सिर्फ ब्रांड नहीं बल्कि आईएसआई, पोलीकार्बोनेट प्रमाणन, फिटिंग और कुशनिंग की जांच जरूरी है.
> अनुजा

> 500 रुपये के चक्कर में नकली हेलमेट खरीदना ठीक नहीं, दुर्घटना के समय असली क्वालिटी का हेलमेट ही सिर की सच्चीकिक सुरक्षा दान सकता है.
> शुभ

> हम रोज़ सड़क पर रहते हैं, फर्क्शुदा और इम्पोर्टेड हेलमेट ही पहनना चाहिए. नकली हेलमेट देखने में इनके लगता है, लेकिन सुरक्षा नहीं देता. इस बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए.
> सम्मान

हेतापट्टी की टाउनशिप योजना पर 'ब्रेक'

400 हेक्टेयर में टाउनशिप विकसित करने की थी योजना

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (30 July): हेतापट्टी क्षेत्र में आवास विकास परिषद की ओर से प्रस्तावित टाउनशिप परियोजना अब आगे नहीं बढ़ेगी. करीब 400 हेक्टेयर में फैली इस महत्वाकांक्षी योजना को लेकर किसानों के लगातार बढ़ते विरोध के कारण विभागीय इस योजना को आगे न बढ़ाने का निर्णय लिया है. अब तिलौरी क्षेत्र में 400 हेक्टेयर के अधिकार में विकसित होने वाली टाउनशिप के बजाए अन्य संभावनों पर टाउनशिप विकसित करने की योजना बनाई जा रही है.

किसानों ने जताया विरोध

पत्रकारों में आवास विकास परिषद की ओर से फेंगराय में हेतापट्टी की ओर 400 हेक्टेयर में टाउनशिप विकसित करने का विचार किया गया. योजना की जानकारी सामने आते ही लैंडिंग इस संबंधी की जानकारी किसानों को जैसे ही हुई वह खड़े हुए. विरोध शुरू कर दिया कि उनकी उपजाऊ भूमि पर आवासीय योजना विकसित करना अनुचित है.

प्रगति की समीक्षा की

मंडलायुक्त ने निचिल मिश्र पीठीन, मुख्यमंत्री सूक्ष्म सम्पोषण योजना, एक जनपद एक उत्पाद योजना, मुख्य आयी विकास अभियान योजना, निचिल मिश्र पीठीन, औद्योगिक क्षेत्र तेजी से विद्युत पीक विच्छेदन के कार्य सहित अन्य विभागों से संबंधित उपलब्धों के विस्तारण को प्रगति को समीक्षा की.

बिजली संकट से जूझ रहे उद्योग अफसरों की तय होगी जवाबदेही

उद्योग बंधु की बैठक से बिजली आपूर्ति सुनिश्चित

सुरक्षा अभियान से लापरवाहों पर शिकंजा

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (30 July): उद्योगों को बढ़ावा देने सरकार की दिशा प्रयोगिकता में है. तभी विद्युत विभाग के अफसर इसमें को लापरवाह बने हैं. गुरुवार को गोपी सभागार संतोषित उद्योग बंधु की बैठक में विद्युत विभाग के अधिकारी के आपूर्तिमंत्री होने पर मंडलायुक्त सौरभ अग्रवाल ने कड़ी नाराजगी जताई है. उन्होंने इस बात मुख्य अभियंता के समन्वयकरण देने के निर्देश दिए हैं.

उद्योगों ने बताया कि बीच-बीच में बिजली कटौती, वोल्टेज उतार-चढ़ाव की समस्या

उद्योगों ने बताया कि बीच-बीच में बिजली कटौती, वोल्टेज उतार-चढ़ाव की समस्या से निरंतरित रहती. कमेंटेड उपभोक्ताओं के अलग विभागों को अलग-अलग फीडर देने की मांग की. इस पर मंडलायुक्त ने निर्देश दिए कि उद्योगों के लिए अलग फीडर की व्यवस्था की जाए. इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा जाए.

लंबित आवेदनों को करें दूर

मंडलायुक्त ने कहा कि बैंकों में लंबित आवेदन पत्रों निपटित समय सीमा के अंतर्गत अधिकारी करा उद्योगियों ने बताया कि बीजपत्र मार्ग पर पीक विच्छेदन का कार्य अधूरा है.

बिजली डकैती से कर्मचारी के उद्योगों पर संकट

मुलाकार रहे की जिला उद्योग बंधु समिति की भी बैठक हुई. जिसमें भी विद्युत विभाग के अधिकारियों की ही लापरवाही सामने आई. जनरेटर द्वारा बिजली डकैती के मामले के उद्योगों पर संकट का मुद्दा उठा. जिसपर डायरेक्टर इंडस्ट्रीज के जीएम महाप्रबंधक डा.जीएन दयालदेव के प्रयासरत्न नोडोडा सहित नियंत्रण को निर्देश दिए कि अवलम्बित विद्युत टीमें की समस्या को समाधान कराए. यह उद्योगों का सीधा अवसर पहुंचाने में सहायता कि सरकार निवेश का सकारात्मक पर है. उद्योग बंधु समिति ने कहा कि सरकार निवेश का सकारात्मक माहौल है. उद्योगों को सुविधा देने में प्रशासन को सहयोग मिलेगा. जिसमें औद्योगिक आवश्यक संकेत के निर्देश दिए. जिसमें औद्योगिक आवश्यक संकेत से